भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1226
उत्तर देने की तारीख: 25.07.2022

दीक्षा प्लेटफॉर्म

†1226. डॉ. सुभाष रामराव भामरे:
श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुले:
श्री कुलदीप राय शर्मा:
डॉ. डी.एन.वी. सेंथिलकुमार एस.:
डॉ. अमोल रामसिंह कोल्हे:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) ज्ञान आदान-प्रदान डिजिटल अवसंरचना (दीक्षा) को एक राष्ट्रीय डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में आरम्भ करने के लक्ष्य और उद्देश्य क्या हैं;

(ख) क्या सरकार ने उस उद्देश्य को प्राप्त कर लिया है जिसके लिए दीक्षा पहल शुरू की गई थी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) देश में दीक्षा की शुरुआत के बाद से अब तक इसके कार्यान्वयन की स्थिति क्या है;

(घ) क्या सरकार दीक्षा के माध्यम से शिक्षकों के कौशल को उन्नत करने में सफल रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) दीक्षा के तहत नामांकित और लाभान्वित हुए शिक्षकों की संख्या कितनी है;

(च) दीक्षा वेबसाइट पर उपलब्ध शिक्षण सामग्री की संख्या कितनी है और क्या सरकार दीक्षा वेबसाइट का उन्नयन करने की योजना बना रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(छ) सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के कौशल को उन्नत करने के लिए सरकार द्वारा अन्य क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अन्नपूर्णा देवी)

(क) से (ग) दीक्षा (https://diksha.gov.in/) डिजिटल ऑनलाइन शिक्षा के लिए शिक्षा मंत्रालय की एक पहल है, जिसमें कक्षा 1-12 और शिक्षकों के लिए 33 भारतीय भाषाओं में क्यूआर कोडित पाठ्यपुस्तकें और विभिन्न विशिष्ट ई-सामग्री उपलब्ध हैं। दीक्षा पर, एनसीईआरटी, सीबीएसई और एनआईओएस के साथ 35 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों का अपना कार्यक्षेत्र है। दिनांक 14.07.2022 तक दीक्षा उपयोग के आंकड़े इस प्रकार हैं:

- दीक्षा पर कुल शिक्षण सत्र - 495+ करोड़।
- दीक्षा पर कुल शिक्षण मिनट– 5,749+ करोड़ मिनट।
- दीक्षा पर 01.04.2020 से पेज हिट - 3,813+ करोड़।
- राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों और एनसीईआरटी द्वारा विकसित 6,477 सक्रिय पाठ्यपुस्तकें
- दीक्षा पर 2,91,168 ई-कंटेंट लाइव हैं।

(घ) जी हां, शिक्षकों और स्कूल प्रमुखों के कौशल को विकसित करने के लिए दीक्षा के माध्यम से कई ऑनलाइन पाठ्यक्रम प्रस्तुत किए जाते हैं। एनसीआरटी निष्ठा (नेशनल इनिशिएटिव फॉर स्कूल हेड्स और टीचर्स होलिस्टिक एडवांसमेंट) पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है।

(ङ(अब तक विभिन्न केंद्रों सहित विभिन्न राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रमों के लिए दीक्षा पर विभिन्न पाठ्यक्रमों में 15 करोड़ नामांकन हुए हैं। (घ) में उल्लिखित पाठ्यक्रमों के अनुसार, इन 15 करोड़ में से 47 लाख से अधिक शिक्षक हैं, जिन्हें दीक्षा मंच के माध्यम से निष्ठा और सतत व्यावसायिक विकास (सीपीडी) पाठ्यक्रमों से सीधे लाभ हुआ है।

(च) 14 जुलाई, 2022 तक दीक्षा पर 2,91,168 ई–कंटेंट उपलब्ध हैं। वर्तमान में, उपलब्ध क्यूआर कोडित पाठ्यपुस्तकों की कुल संख्या 6477 हैं।

(छ) एनसीईआरटी ने शिक्षकों की दक्षताओं के निर्माण और उन्हें एक डिजिटल शिक्षक बनने में सक्षम बनाने हेतु कई अन्य प्रयास किए हैं। एनसीईआरटी ने विभिन्न आईसीटी उपकरणों, राष्ट्रीय स्तर पर डिजिटल पहल, शैक्षिक प्रौद्योगिकी में उभरते रुझान, साइबर सुरक्षा और संरक्षा पर शिक्षकों, छात्रों और अन्य हितधारकों पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक वेबिनार श्रृंखला शुरू की। अब तक, शिक्षण अधिगम और मूल्यांकन के लिए आईसीटी उपकरणों पर एक–एक घंटे के लगभग 625 लाइव सत्र आयोजित किए जा चुके हैं। आसान संदर्भ के लिए एक रिपॉजिटरी भी बनाई गई है और इसे https://ciet.nic.in/pages.php?id=webinar&ln=en पर देखा जा सकता है।

शिक्षा प्रौद्योगिकी (ईटी) और सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) से संबंधित क्षेत्रों में ऑनलाइन कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। लगभग 11 ऐसे प्रशिक्षण आयोजित किए जा चुके हैं। इन प्रशिक्षण सत्रों से 3 लाख से अधिक शिक्षक लाभान्वित हुए हैं। आसान संदर्भ के लिए एक रिपॉजिटरी भी बनाई गई है और इसे https://ciet.nic.in/workshop-training.php?&ln=en पर देखा जा सकता है।

दीक्षा में संसाधनों का उपयोग करने के साथ–साथ गुणवत्तापूर्ण डिजिटल सामग्री विकसित करने और दीक्षा पर वितरित करने के कौशल को विकसित करने के लिए सभी 36 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में राज्य संसाधन समूहों (एसआरजी) का प्रशिक्षण चरणबद्ध तरीके से नियमित रूप से आयोजित किया गया है। 36 राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों में लगभग 720 राज्य संसाधन व्यक्तियों (एसआरपी) को प्रशिक्षित किया गया। वर्ष 2020-21 के दौरान, लगभग 770 एसआरपी को दो चरणों में ऑनलाइन प्रशिक्षण के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया और 2021-22 के दौरान लगभग 643 एसआरपी को चार चरणों में ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया गया।

.**********